



**JAIN ACHARYA SAMRAT  
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ**

## **SHRI VARDHMAN STHANAKVASI JAIN SHRAMAN SANGH**

**श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ**

### **Brief Introduction of the Shraman Sanghiy Sadhus-Sadhvis**

**श्रमण संघीय साधु साध्वी जी का संक्षिप्त विवरण**

**Date:** 27-04-2017

- 1. Full Name (नाम):** तत्व चिंतक श्री उत्तम मुनि जी म.सा.
- 2. Date of Birth (जन्म की तारीख):** 23-03-1965
- 3. Place of Birth (जन्म स्थान):** मुसीदाडा (क्षिमिरे) **Tehsil (तहसील):** पुतली बाजार  
**District (जिला):** स्याअजा **State (राज्य):** गण्डकी अंचल (नेपाल)
- 4. Name of the Guru (गुरु / गुरुणी):** पंडित जी श्री विचक्षण मुनि जी म.सा.
- 5. Grand Guru (दादा गुरु / गुरुणी):** वाचनाचार्य श्री विशाल मुनि जी म.सा.
- 6. Sect of the Saint and Foremost Guru of the Sect (परम्परा तथा उनके शीर्ष गुरु):** गुरु निहाल परिवार, पंजाब परम्परा, घोर तपस्वी श्री निहालचंद जी म.सा.
- 7. Period of Renunciation (वैराग्य काल):** 1 वर्ष
- 8. Date of Diksha & Place (दीक्षा तिथि और स्थान):** 26-04-1982, अक्षय तृतीया, सराय (उत्तर प्रदेश)
- 9. Diksha Mantra - Pradata (दीक्षा पाठ - प्रदाता):** भीष्म पितामह तपस्वी रत्न श्री सुमति प्रकाश जी म.सा.
- 10. Disciples (शिष्य):**
- 11. Grand - Disciples (पौत्र शिष्य):**
- 12. Given Title (आपको अब तक मिली उपलब्धियां):**
- 13. Religious Study (धार्मिक अध्ययन):** जैन साहित्य, जैन सूत्र
- 14. Education (शैक्षणिक योग्यता):** एम. ए. हिन्दी (साहित्य में) मानस गंगोत्री विश्व विद्यालय मैसूर



**JAIN ACHARYA SAMRAT  
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ**

**15. Did you Complete Ph. D. if yes write year & Name of University (क्या आपने पीएच डी पूर्ण किया है यदि हां वर्ष और विश्वविद्यालय का नाम):**

**16. In which Subject / Subject of research (किस विषय में / खोज का विषय):**

**17. Writing Work (आपके द्वारा लिखित सम्पादित साहित्य की सूची): जैन धर्म के उतम तत्व**

**18. Vicharan - Kshetra (विचारण क्षेत्र): उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश,**

**19. List of Places of Chaturmas (चातुर्मास विवरण तालिका):**



**JAIN ACHARYA SAMRAT  
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ**

वर्ष
1982 - उत्तर प्रदेश
1983 - दिल्ली
1984 - रोपड़
1985 - बड़ौत ( उत्तर प्रदेश )
1986 - दिल्ली
1987 - धुले
1988 - के.जी.सी.
1989 - कोयंबटूर
1990 - चेन्नई
1991 - बेंगलोर
1992 - मैसूर
1993 - कोप्पल
1994 - जालना
1995 - घोदनदी
1996 - नासिक
1997 - अहमद नगर
1998 - बीड़
1999 - इचलकरंजी
2000 -
2001 -
2002 -
2003 -
2004 -
2005 -
2006 -
2007 -
2008 -
2009 -
2010 -
2011 -
2012 -
2013 -
2014 -
2015 -
2016 -
2017 -

20.आपकी प्रेरणा से संचालित संस्था का नाम, संस्था के पदाधिकारी का नाम, पद, शिक्षा, आयु व पता :

**Religious Institution (धार्मिक संस्था):**

**Name, Designation, Education, Age and Address of the office bearers of the Institution**

(संस्था के पदाधिकारियों का नाम पद शिक्षा आयु पता):



**JAIN ACHARYA SAMRAT  
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ**

**Ph. No. (दूरभाष / मोबाइल):**

**Social Institution (सामाजिक संस्था):**

**Educational Institution (शैक्षणिक संस्था):**

**21. Religious Achievements (धार्मिक उपलब्धियां):**

**22. Mention Tap Aradhana which are performed by you (आपके द्वारा अब तक की गई तप आराधनाएं):** तेल, पचौला, अटाई आदि

**23. Worldly Full Name (सांसारिक नाम):** श्री ईश्वरी प्रसाद सुबेदी

**24. Name of Brother & Sisters (भाई - बहन का नाम):** श्री तारा प्रसाद जी, श्री हरिकांत जी, श्री तोम नारायण जी, श्री राम प्रसाद जी, श्री मित्रबंधु जी

**25. Name of Worldly Parents (सांसारिक माता पिता का नाम):** श्री मति लेवत देवी जी सुबेदी

**26. Special Features of Worldly Dynasty (सांसारिक वंश की विशेष विशेषताएं):** गोत्र - भारद्वाज, उपाध्याय, ब्राह्मण वंश - सुबेदी

**27. Permanent Address (सांसारिक परिवार का स्थायी पता):** मुसीदाडा ग्राम, पुतली बाजार, नगर पालिका, वार्ड नं. 10, मुसीदाडा क्षिमिरे, जिला - स्याअजा गण्डकी अंचल, नेपाल

**Phone No. (मोबाइल नं.):**

**Email (ई - मेल):**

**28. Name of Diksha parents & address (धर्म के माता पिता का नाम व पता):** श्री मान सुशील जी जैन

**Phone No. (मोबाइल नं.):**

**Email (ई - मेल):**

**29. Contact No. & E-mail ID of the Person in Your Service (आपकी सेवा में रहने वाले सेवक का मोबाइल नम्बर ईमेल):**

**Phone No. (मोबाइल नं.):**



**JAIN ACHARYA SAMRAT  
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ**

**Email (ई - मेल):**

**30. Message of the Saint (साधु साध्वी का संदेश):** तप त्याग से जीवन मे निखार आ जाता है ।  
कर्मों के बंधन रुक जाते है. आत्मा पवित्र बनती है ।  
अतः यथाशक्ति तप त्याग को जीवन में स्थान देना चाहिए ।

**Signature (हस्ताक्षर)**

**(Note : In order to accommodate complete details for any Sr. No., Please attaché a separate sheet mentioning the captioned item.) (नोट : पूर्ण सूचना का वर्णन करने के लिए अलग से पृष्ठ शीर्षक व क्रम संख्या लिखकर सलंगन करे.)**